>

Ttile: Need to preserve the original Ashoka Pillar in Badaun Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं) : सभापति महोदय, धन्यवाद । मैं आपका ध्यान पुरातात्विक स्थान को संरक्षित कर विदेशी पर्यटकों के सामने देश की छवि धूमिल होने से बचाने हेतु आकृष्ट करना चाहूंगी । एटा के अलीगंज में बिलसड़ के पुरातात्विक स्थान की स्थिति अत्यधिक दयनीय है । उसकी जानकारी मिलने पर मैं वहां खुद होकर आई हूं, जहां पर चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान के मूल स्तम्भ मौजूद हैं । मूल स्तम्भ की मौलिकता उन पर अंकित पाली भाषा है । पाली भाषा अब विलुप्त होती जा रही है ।

महोदय, वर्ष 2014 में सरकार बनने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा उस स्थान पर बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कर संरक्षित करने का प्रयास किया गया, लेकिन देख-रेख न होने की वजह से उसकी स्थिति इतनी दयनीय है कि वहां आस-पास के लोग कूड़ा इकट्ठा करते हैं और साथ ही साथ उस जगह पर अपने जानवरों को बांधने का काम करते हैं । इस वजह से वह जगह पुरातात्विक स्थान का मूल्य खोती जा रही है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगी कि सम्राट अशोक द्वारा स्थापित मूल स्तम्भ को संरक्षित किए जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें, जिससे देश की गरिमा, सभ्यता व संस्कृति को संरक्षित रखा जा सके और विदेशी पर्यटकों को उक्त स्थान पर भ्रमण करने तथा वहां से संबंधित इतिहास की बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो सके । बहुत-बहुत धन्यवाद ।